



HG-365 (ग्वार बीज)

बीज दर :- 5 से 6 किग्रा प्रति एकड़
बुवाई का समय :- 15 जून से 15 जुलाई तक
दूरी :- कतार से कतार 40-45 सेमी., पौधे से पौधे 10-15 सेमी.
भूमि तैयार :- भूमि को 2-3 बार जोतकर समतल कर पाटा चलाकर तैयार करें।

भूमि प्रकार :- लवणीय व क्षारीय न हो। चिकनी मिट्टी अधिक न हो।
उर्वरक प्रबंधन :-

बुवाई का समय :- डीएपी 35 किग्रा/प्रति एकड़
 जिंक 33% 6 किग्रा/प्रति एकड़
 पोटैश 20 किग्रा/प्रति एकड़

बरानी भूमि के लिए उपरोक्त खाद की आधी मात्रा का प्रयोग करें।
बीज उपचार :- 1.5-2 ग्राम बाविस्टिन (कार्बेन्डाजिम 50% wp) प्रति किलो बीज दर से।

रोग :- झुलसा रोग (पीला अवस्था) कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से करें व 10 दिनों के बाद पुनः करें।
कीट :- काला चेपा, हरा तेला नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली. प्रति लीटर के हिसाब से या 300 एमएल रोगोर, 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

सिंचाई :- दो से तीन पानी की आवश्यकता होती है। सिंचाई के बाद वायु संचार के लिए गोढ़ी या हेरो करें।

कटाई :- पकाव 95 से 100 दिन में हो जाता है 85% फलियां पकने पर कटाई शुरू कर दें। कटी हुई फसल को खेत में कुछ दिनों तक सुखने के लिए छोड़ दें।

चेतावनी :- उपरोक्त सुझाई गई विधियां कम्पनी के अनुसंधान केंद्रों पर लिए गए परीक्षणों पर आधारित है इसमें स्थान व पर्यावरण के अनुसार बदलाव संभव है। अच्छी फसल की प्राप्ति के सम्बंध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय / कृषि विज्ञान केंद्र / निकटवर्ती कृषि अधिकारी से सलाह लें।

निर्माता एवं विपणनकर्ता :

जय शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज फर्स्ट, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया
 श्रीगंगानगर - 335002 (राजस्थान)



HG-365 (ग्वार बीज)

बीज की दर :- 5 से 6 किलो प्डी ऐकड़
बिजाई का समां :- 15 जून से 15 जुलाई
दूरी :- कतार से कतार 40-45 सैटीमीटर पेंदे से पेंदे की दूरी 10-15 सैटीमीटर।
जमीन की तियाारी :- जमीन नूँ 2-3 वार वारो पॅपर करे
मिंटी की किसम :- चंगी जल निकास वाली देमट मिंटी सभ से वपीआ है, पर एिग बहुरत जिआदा सेरे वाली नही होटी चाहीदी।

धाद प्बंधन :-
बिजाई के समे :- डीएपी 35 किलोग्राम प्डी ऐकड़
 जिंक 33% 6 किलोग्राम/ऐकड़
 पेटास 20 किलोग्राम प्डी ऐकड़

बतरसाती जमीन लई उँपर दँसी गदी धाद की अँपी मातरा दी वरते करे।
बीज उँपचार :- 1.5-2 ग्राम बाविस्टिन (कार्बेन्डाजिम 50% डबलजुपी) प्डी किलो बीज।

बिमाारी :- झुलस रोग (पीली अवस्था) कापर आक्सीक्लोराईड 2.5 ग्राम प्डी लीटर पाटी की दर नाल पाँ अते 10 दिनं बाअद दहराई।
कीते :- काले अँदीड अते हरे अँदीड नूँ कंटरोल करन लई इमीडाक्लोप्रिड @ 1 मि.ली. प्डी लीटर जां 300 मि.ली. रोगर नूँ 100 लीटर पाटी विँच मिला के सपरे करे।

सिंचाई :- दो से तिन पाटीआं दी लेंड हुंदी है। सिंचाई से बाअद हवादाारी लई गोडी जां हेरे करे।

वाची :- पँकटा 95 से 100 दिनं विँच हुंदा है। 85% फलीआं पँकट से बाअद कटाई सुरु हो जांदी है। कँटी होई फसल नूँ कुँड दिनं लई खेत विँच सुँकट लई ढँड दिई।

सावधानी :- उँपरकेत सुझाए गदे ततीके कँपनी के खेज केदरां से कीते गदे पतीखटां से अषारत हन अते सषान अते वातावरण के आषार से वँध-वँध हो सकदे हन। चंगी फसल प्रापत करन लई मारगदरसन लई, आपटे नजदीकी राज खेतीबाडी जूनीवरसिटी/खेतीबाडी वगिआन केदर/नेडले खेतीबाडी अपिकारी नाल सलाह करे।

निरमाता अते मारकिट :

जै शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज-1st, RIICO इंडस्ट्रीअल ऐरीआ
 श्री गंगानगर - 335002, राजसथान